

, যাহা ৭৬ নং আগামাসি লেন নামীয় হোলিছং বলিয়া পরিচিত বটে । উও সম্পতিতে জিলা ঢাকার দিক বাজায় নিবাসী, মৃত বানক চৰু রায় মহালয়ের পুত্র নেপান চৰু রায় মহালয় নিলকর লাবেরোজ সুতু সাহিত্য সূত্ৰান ও ভোগ দখলকার বিদ্যোন খাকা অবশহায় বিগত বাংলা ১৩২৭ সনের ২৭লে ফালপুন তাটিখের সম্পাদিত ও রেজিশনীকৃত এক কিন্তা সাফ কবলা দলিল বলে ধানা দ্রীনপর অধিন পোরহাটী প্রাম विवाली वाग्र वादामुत वावु दश्य हास वनु महानद्युत नती देन वानियी वनु पहानगृत विक्र हिनि छैं ত্রিল পতি সাফ বিএম্য করেন। উওম লৈ বালিনী বসু মহালয়া ধরিদ সুত্রে সম্পতিতে ঘানিক সুতুরতী ও ভোগ দখলকারিনী বিদামান পাকা অবশহায় ঢাকার চুচায় ছয়ে ই দাকা রেছিলট্রী অফিসের ইংরেছী ১৯২৯ ১ न १ विद्यात २००८ न १ ८ छिडिन हो देव विश्वा मात करता पतित यत चाएामात छाम निवामी स्मीतिली विक्न वित नारायत वृत पाराण्यम वस्तुन कवित प्रतिनती चाव रेडेनुक तुर कृत कवित , प्रतिनती 1 8)1/36. त्याचाच्यम कळतून व्यवित এवर त्योनणी त्याचाच्यम अवाग्रमुन व्यवित नाट्य मित्रत विवर विनि वे मण्यति माक विश्व म करत्य । अम् व व वण्याम के बाताल एमा वक्षत्व कवित , वातु चेकमुक नुरकूल कवित , पार क्यम क्रत्न क्वित करामां पार क्यम क्या मून क्वित माद्य यान है के मण्यित वित्र मुख গানিক সুত্বান ও তোগ দখলকার বিদ্যোন খাকাত বঙ্গায় উওৰ মোহংগ্রাদ বজনুল কবির সাহে ব -চাহায় বিঅ অংশ প্রোক্ত ঘোহাত্মদ আবু ইউসুক নুৎ চুন কবিরের নিকট সাক বিএম্ম করিয়া চাহার নিজ -অংশ পরিমিত সমণ্ডি হইতে উও⇒ বিজ্ঞান কবির সাহে ব নিঃ সুত্বান হয়েনে। এঘত অবসহায় চুপা≪ ফেজনুল विश्व बातु वेदेषुर त्रान्त्र विश्व श अत्याप्त विश्व नाया है । नव विश्व विश्व व राम प्राणिक मृत्यान व

(वज्र वाठाग्र